II-157

C.J.

Witness No.....21.....For...अभियोजन साक्ष्य....Deposition taken

the 05/08/2026 day of .....Witness's apparent age .....39.....

States on affirmation.....my name is ..... डॉ. अंजन सिंह चौहान .....

S/o ....आर.एस. चौहान .....Occupation.....पी.जी. रेसिडेंट.....

address. ....पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर छ.ग.

नोट - डॉ. अंजन सिंह चौहान आज दिनांक 05.08.2026 को जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर से वीडियो कांफ्रेशिंग से उपस्थित ।

मुख्य परीक्षण द्वारा श्री थानेश्वर वर्मा, लोक अभियोजक

समय 04.00 बजे

1- मैं दिनांक 20.10.2023 से पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में पी.जी. रेसिडेंट के पद पर पदस्थ हूं ।

2- दिनांक 05.11.2024 को 01.50 बजे दिन में पुलिस थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर से आरक्षक नोहर सिंह कंवर ने मृतक जगन्नाथ पिता गनेशराम घृतलहरे, उम्र 52 वर्ष, निवासी अमेरा, थाना पलारी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. का शव परीक्षण के लिए मेरे समक्ष प्रदर्श पी-16 के आवेदन सहित लाये थे । मृतक की पहचान सुरेश, योगेन्द्र एवं आरक्षक नोहर सिंह कंवर ने किये थे ।

3- मृतक औसत कदकाठी का था, मृतक बैगनी रंग की ब्लेंकिट एवं बेडशीट से ढका हुआ था, मृतक डाइपर पहना हुआ था, उसके शरीर में मृत्यु पश्चात की अकडन मौजूद थी, उसके पीठ पर मृत्यु के पश्चात आने वाले हाइपोस्टेथीसीस मौजूद थी, उसके आंख बंद थी । पुतली धुंधला था, मुंह और होठ बंद था । मैंने उसके शरीर में निम्न चोटे पाया था -

1) मृतक के सिर के दांये टेम्पोरल भाग में एवं सिर के पिछले पैराइटल भाग में बहुत सारे खरोच के निशान थे जो 11 सेंटीमीटर X6 सेंटीमीटर आकार का था ।

2) मृतक के सिर में बांये फ्रंटल एवं टेम्पोरल भाग में लगभग 27 सेंटीमीटर लंबा , 36

सर्जिकल टांके लगे हुए थे और मृतक के सिर में सर्जिकल घाव मौजूद थे जिसे खोलने पर उसमें भूरे रंग लिया हुआ खून जमा हुआ मौजूद था जो कि बांये फ्रंटल, टेम्पोरल और पैराइटल भाग में ज्यादा मात्रा में था एवं टेम्पोरलिस्ट मसल्स में सूजन दिखाई दे रहा था ।

3) सिर की खोपडी में ऑपरेशन द्वारा कटी हुई 12 सेंटीमीटर X9 सेंटीमीटर आकार की बांये फ्रंटल, टेम्पोरल भाग में मौजूद था जिसमें ऑपरेशन द्वारा किये गये पांच बर्रहोल मौजूद थे । सिर के हड्डी का यह कटा हुआ भाग सिर में नहीं था(मिसिंग था) ।

4) सिर के उपरी भाग में अत्याधिक मात्रा में खून जमाव था । सब्ड्यूरल हेमरेज मौजूद था एवं बांया टेम्पोरल, बांया फ्रंटल एवं पैराइटल में खून का थक्का सब अरेजनाईट हेमरेज मौजूद था ।

5) उसके सिर के बांये फ्रंटल, पैराइटल और टेम्पोरल भाग में 8 सेंटीमीटर X6 सेंटीमीटर आकार का सूजन लिये हुए चोट का निशान मौजूद था ।

6) मृतक की मस्तिस्क में नरम कालापन लिये हुए और छोटे-छोटे टुकडो में खून का जमाव मौजूद था, मस्तिस्क के नीचले भाग में थोडी मात्रा में पस मौजूद था ।

7) मृतक के छाती में दोनों तरफ कंटूयूजन मौजूद था जो कि दांयी तरफ 8 वें और 9 वें क्रम की पसली पर 8 सेंटीमीटर X7 सेंटीमीटर आकृति लिये हुए उपर से नीचे की ओर कंटूयूजन मौजूद था एवं बांयी तरफ छाती में मध्य भाग में 5 वें और 8 वें क्रम की पसली फ्रेक्चर था ।

8) मृतक के दांये पैर के अंगूठे में कंटूयूजन मौजूद था जिसका आकार 1 सेंटीमीटर X5 सेंटीमीटर एवं बांये पैर के अंगूठे में 0.5 सेंटीमीटर X0.5 सेंटीमीटर आकार का कंटूयूजन एवं एब्रेजन मौजूद था ।

4- उपरोक्त सभी चोटे भूरे रंग की इकाइमोसिस मौजूद थी जो कडे और भोथरे वस्तु से आ सकती है और उससे मृतक की मृत्यु संभावित थी ।

5- आंतरिक परीक्षण में फुफ्फुस, कंठ व श्वासनली, दाया एवं बांया फेफडा सभी लालिमा लिये हुए सामान्य था । हृदय में दांयी तरफ 40 ml और बांयी तरफ 20 ml रक्त मौजूद था ।

पेट की जांच में अमाशय में 30 एम.एल. पीले रंग का द्रब्य मौजूद था । उसका अंदरूनी भाग स्वस्थ था । छोटी आंत में पचा हुआ भोजन मौजूद था, बडी आंत में मल पदार्थ था । यकृत, प्लिहा, गुर्दा, मूत्राशय, भीतरी एवं बाहरी जननेन्द्रिया सभी लालिमा लिये हुए सामान्य था ।

6- मृतक रक्त से भीगा हुआ गाजपीस खून के नमूने की जांच के लिए तथा एक सैम्पल गाजपीस नमूना जांच के लिए, रासायनिक परीक्षण के लिए सीलबंद कर उसी आरक्षक को सौंप दिया था ।

7- मेरे मतानुसार मृतक की मृत्यु उसके सिर में आयी अत्याधिक चोट और उससे उत्पन्न विकृति के कारण हृदय श्वसनगति रूकने से हुई थी । मृतक के शरीर में चोटो पर ऑपरेशन के निशान मौजूद थे । मृतक की मृत्यु शव परीक्षण से 24 घंटे के भीतर की थी । मेरी रिपोर्ट प्रदर्श पी-8 के बी से बी भाग पर मेरे हस्ताक्षर है ।

//प्रति परीक्षण द्वारा श्री अनादिशंकर मिश्र, अधिवक्ता वास्ते आरोपी//

8- यह कहना सही है कि मैंने मेरी रिपोर्ट प्रदर्श पी-8 में ''बोन पीस मिसिंग'' का उल्लेख किया है यह मिसिंग सर्जरी या पोस्ट सर्जरी के दौरान होना संभव है । यह कहना गलत है कि उक्त मिसिंग पोस्ट सर्जरी के द्वारा देखरेख करने वाले डॉक्टर या नर्सों से यह मिसिंग संभव है । साक्षी स्वतः कहा कि मृतक शव परीक्षण के पहले अस्पताल में भर्ती था । यह कहना गलत है कि कोई व्यक्ति कडे एवं कठोर वस्तु पर गिरने से मृतक के एब्रेशियन, खरोच, हल्की सी चमडी छिलना, कभी कभी हल्की सूजन आना संभव है ।

9- यह कहना गलत है कि ब्रेन सर्जरी में सामान्य अनुभव से देखा जाता है कि 99 प्रतिशत असफल होती है । साक्षी स्वतः कहा कि मृतक के शव परीक्षण मेरे द्वारा किया गया है, सिर का ऑपरेशन एवं उपचार तथा ऑपरेशन की सफलता एवं असफलता के बारे में ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक ही बता पायेंगे ।

10- यह कहना गलत है कि सर्जरी में खोपडी की हड्डी में 12.9 सेंटीमीटर की कटिंग और पांच बार होल के बाद खुली रह जाये तो इंफेक्शन से मृत्यु होना संभव है । यह कहना गलत है कि कांट्रीशन सर्जरी के बाद आना संभव है । यह कहना गलत है कि सर्जरी के बाद मेराईव सब्ड्यूनल हेमोरेज का टेम्पर्सल और पार्शियल लोबेज पर रूके रहना डेथ के लिए कांट्रीब्यूटेबल

है ।

11- यह कहना गलत है कि सर्जरी के बाद लेट्रल वर्टिकल में क्लाटेड ब्लड होना भी मृत्यु के लिए कांट्रीब्यूटेबल है । यह कहना गलत है कि हार्ड ब्लंट आब्जेक्ट पर गिरने से छाती में कांटीयुशन अनेक कारणों से आ सकते हैं । यह कहना गलत है कि कार्डियो रेसपायरेट्री फेलर के कई कारण हो सकते हैं जैसे सर्जरी या सर्जरी में कोई कमी या लापरवाही ।

समय 04.45 बजे ।

साक्षी को बयान पढ़कर सुनाया गया सही होना स्वीकार किया।

(विनीता वार्नर)
सत्र न्यायाधीश,
बलौदाबाजार (छ.ग.)

मेरे निर्देश पर टंकित किया गया।

(विनीता वार्नर)
सत्र न्यायाधीश,
बलौदाबाजार (छ.ग.)

''पूर्वगामी कथन अभियुक्त की उपस्थिति में लिया गया था जिसे साक्षी का प्रतिपरीक्षण करने का अवसर मिला था । यह कथन साक्षी को समझाया गया तथा मेरे द्वारा उसकी उपस्थिति में प्रमाणित किया गया ।''

(विनीता वार्नर)
सत्र न्यायाधीश,
बलौदाबाजार (छ.ग.)

VINITA WARNER
Digitally signed by VINITA WARNER
Date: 2026.08.05 19:11:22 +0530